नाम- डॉ. प्रदीप कुमार राय (एसो. प्रोफेसर, रोहतास महिला कॉलेज, सासार
विषय- राजनीति-शास्त्र
कक्षा- बी.ए. पार्ट-01 (प्रतिष्ठा)
पेपर- 01
दिनांक- 29.05.2020
टॉपिक- राज्य के कार्य संबंधी ग्रीन के विचार (भाग-02)

युद्ध और अंतर्राष्ट्रीयता के क्षेत्र में

ग्रीन युद्ध विरोधी और अंतर्राष्ट्रीय शांति के समर्थक हैं। विश्वबंधुत्व तक मानव सभ्यता के पहुंचने की अवस्था में युद्ध अपूर्ण राज्य का चिन्ह है। वह विभिन्न आधारों पर युद्ध का विरोध करता है

प्रथम वह युद्ध को मानव जीवन के अधिकार के विरुद्ध बताता है। आज जीवन का अधिकार विश्वव्यापी हो गया है और प्रत्येक राज्य का दायित्व जीवन के अधिकार की रक्षा से संबंधित है। इस प्रकार जीवन के अधिकार के विरुद्ध होने के कारण युद्ध अनुचित है।

द्वितीय यह कि वह युद्ध से वीरोचित गुणों के प्रोत्साहन को अस्वीकार करता है उसके अनुसार शांतिपूर्ण देशभक्ति एवं मानवीय सद्गुणों का विकास ही सच्ची देशभक्ति है।

तृतीय यह कि युद्ध की स्थिति से तीव्र राष्ट्रीयता एवं निकृष्ट कोटि की देशभक्ति को प्रोत्साहन मिलता है।

इस प्रकार वह विश्वबंधुत्व एवं मानवीय सद्गुणों के विकास तथा शांतिपूर्ण अवस्था पर बल देता अंतर्राष्ट्रीय समाज की स्थापना का पक्षधर है।

मूल्यांकन — ग्रीन द्वारा प्रतिपादित विचार यद्यपि कतिपय बिंदुओं पर असहमति एवं अतिशयोक्तिपूर्ण लगते हैं

Teacher's Signature

Scanned with CamScanner

किंतु, जिस प्रकार से उन्होंने व्यक्तियों की स्वतंत्रता, उसकी महत्ता एवं हित आदि को महत्व दिया तथा उसे आज भी समीचीन समझते हैं। राज्य शक्ति की सीमा, विश्व-बंधुत्व, अंतर्राष्ट्रीय कानून अधिकारों पर बल की उपादेयता आज भी प्रासंगिक एवं उचित है। उनका दृष्टिकोण उदारवाद एवं आदर्शवाद के मध्य समन्वयकारी और संतुलित है जो लोक कल्याणकारी राज्य के मार्ग के प्रशस्तीकरण पर बल दिया। Wayper ने अपनी पुस्तक 'Political Thought' में लिखा है कि 'उसमें आदर्शवाद एवं उदारवाद के दोनों ~~के~~ का संशोधन किया। उदारवाद को एक नया धार्मिक विश्वास प्रदान किया, व्यक्तिवाद को नैतिक तथा सामाजिक बनाया तथा आदर्शवाद का परिष्कार और परिमार्जन किया।'

Scanned with CamScanner